P1847

RAN-2401001203020003

RAN-2401001203020003/ 2501000103035022

S.Y.B.A. (NEP) (Sem.- III) Examination November - 2025

Hindi Major (Paper - VI) Hindi Upanyas (Ganga Maiya)

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

સૂચના : / Instructions	Seat No.:
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી. Fill up strictly the above details on your answer book	Student's Signature

प्र.1. **निम्नलिखित संक्षिप्त प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (किन्हीं पाँच)** **10**

1. भैरवप्रसाद गुप्त का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
2. मटरुसिंह और गोपीचंद की मुलाकात कहाँ हुई थी?
3. बिलरा कौन था और वह किसके यहाँ काम करता था?
4. जोखू किस गाँव का पहलवान था और उसके साथ उपन्यास में कौन सी घटना घटी?
5. गोपीचंद और मानिकचंद में क्या संबंध था तथा वे किस कला में निपुण थे?
6. मटरुसिंह को कितने वर्षों की सजा हुई और गंगा नदी से उनका किस प्रकार का लगाव था?
7. 'गंगा मैया' उपन्यास की कथा कितने अध्यायों में विभक्त है?

प्र.2. भैरवप्रसाद गुप्त का साहित्यिक परिचय दीजिए। **13**

अथवा

प्र.2. 'गंगा मैया' उपन्यास की कथावस्तु लिखिए।

प्र.3. 'गंगा मैया' उपन्यास के मुख्य पात्र मटरुसिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए। **13**

अथवा

प्र.3. 'गंगा मैया' उपन्यास के प्रमुख पात्र भाभी की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए।

प्र.4. (अ) टिप्पणी लिखिए। **07**

(क) 'गंगा मैया' उपन्यास की भाषा-शैली।

अथवा

(क) 'गंगा मैया' उपन्यास की संवाद-योजना।

(ब) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **07**

(ख) उसकी अब तक बँधी आशा टूट गयी थी। इतने दिनों अपने हृदय से लड़कर उसने उससे जो समझौता किया था, वह व्यर्थ सिद्ध हो गया। पिता की एक बात ने ही उसके अब तक के खड़े किये गये महल को ठोकर मारकर गिरा दिया। एक नयी राह पर चलकर अपनी मंजिल के क़रीब वह पहुँचा ही था कि उसकी टाँगें तोड़ दी गईं। आज वह जितना दु:खी था, उससे कहीं अधिक क्षुब्ध था।

अथवा

(ख) भाभी अब पहले की भाभी नहीं रह गयी–न वह रूप, न रंग, न वह जवानी, न वह देह। अब तो वह जैसे पहले की भाभी की एक चलती फिरती छाया रह गयी थी। दुबली–पतली, सूखी देह, बेआब–पीला चेहरा, उदास, आँसुओं में सदा तैरती–सी आँखें, मुरझाये–सिले–से होंठ, रोयें–रोयें से जैसे करुणा टपक रही हो, एक ज़िन्दगी की जैसा मुर्दा तस्वीर हो, या जैसे एक मुर्दा ज़िन्दा होकर चल–फिर रहा हो।